Popular Front of India

G-78, 2nd Floor, Shaheen Bagh, Kalindikunj, Noida Road, New Delhi- 110025
website: www.popularfrontindia.org email:popularfrontmail@gmail.com Tel: 011- 29949902

प्रेस रिलीज़

नई दिल्ली
4 जनवरी 2018

दलितों के अधिकार छीनने की कोशिशों के खिलाफ पॉपुलर फ्रंट ने किया खबरदार

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चेयरमैन ई. अबूबकर ने अपने बयान में भीमा कोरेगांव जंग की 200वीं सालगिरह मना रहे दलितों पर हुए हमले की निंदा की। हालात बताते हैं कि यह हमले सोचे समझे तरीके से अंजाम दिये गए हैं। सालगिरह मनाने के लिए जमा हुए लोगों पर हमले की तैयारी कर रहे गुंडों को रोकने में राज्य सरकार और पुलिस की नाकामी के कारण एक बेगुनाह की जान चली गई और राज्य भर में हिंसा की आग भड़क उठी। अब पुलिस, निहत्थे लोगों पर हमला करने वाले अपराधियों को पकड़ने के बजाए, जिगनेश मेवाणी और उमर खालिद जैसे लीडरों सहित प्रोग्राम में शामिल होने के लिए आए निर्दोष लोगों को गलत तरीके से फँसा रही है।

हज़ारों सालों से जारी ब्रह्मणवादी अत्याचार के खिलाफ अपने अधिकार और इज़्ज़त को बचाने के लिए लड़ रहे दलितों पर जात पात की बुनियाद पर हुई हिंसा का यह एक खुला उदाहरण है। 2014 में हिंदुत्वा ताकत की सरकार बनने के बाद से इस प्रकार के हिंसक हमले बहुत ज़्यादा बढ़ गए हैं। गुजरात में एक मरी गाय का चमड़ा उतारने पर दलित मज़दूरों को बुरी तरह मारा पीटा गया; उच्च जाति के लोगों ने हरियाणा में दलित बच्चों को ज़िंदा जला दिया; मंदिर में दाखिल होने के जुर्म में यूपी में एक दलित बुजुर्ग को जला कर मार दिया गया, इस तरह की घटनाओं की एक लम्बी सूची है। इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों पर काले कानून लगाकर उन्हें जेलों में डाल दिया जाता है। भीम आर्मी के लीडर चंद्र शेखर आज़ाद पर एनएसए जैसा काला कानून लगा दिया गया और वह अभी भी जेल में क़ैद है।

हम राज्य सरकार से अपराधियों की पहचान करके उनके खिलाफ मामला दर्ज करने और मृतक के परिजनों और इस हमले में जखमी लोगों को मुनासिब मुआवज़ा देने की मांग करते हैं। साथ ही हम देश के नागरिकों से यह अपील करते हैं कि वे दलित समुदाय की इज़्ज़त और मानवाधिकार की लड़ाई में उनके साथ खड़े हों।

शफीकुर्रहमान
सेक्रेटरी, जनसंपर्क
पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
मुख्यालय, दिल्ली